

छत्तीसगढ़ का पहला डजिटल प्लेनेटेरियम

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ का पहला [डजिटल तारामंडल/प्लेनेटेरियम](#) उग्रवाद प्रभावित दंतेवाड़ा ज़िले में स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य बटु:

- यह पहल दंतेवाड़ा ज़िला प्रशासन द्वारा [संस्कृतमंत्रालय](#) और [राष्ट्रीय वज्जान संग्रहालय परषिद \(NCSM\)](#) की सहायता से की गई है।
- [संस्कृतमंत्रालय की वज्जान एवं संस्कृतसंवर्द्धन योजना, 2021](#) के अंतर्गत दंतेवाड़ा के कारली में डजिटल तारामंडल स्थापित करने की योजना जलद ही शुरू होगी
- ज़िला प्रशासन ने प्लेनेटेरियम के लिये सहयोग का अनुरोध किया और श्रेणी III (5 लाख से कम जनसंख्या) के अंतर्गत पूरण वत्ततीय सहायता के प्रस्ताव को स्वीकृत दे दी गई है।
- इस पहल में शैक्षिक उन्नति, वैज्जानिक चेतना, सांस्कृतिक और सामाजिक प्रगतिके साथ-साथ आकर्षक दृश्य-श्रव्य प्रयोग जैसे वभिन्न तत्त्व शामिल हैं
- प्लेनेटेरियम के नरिमाण के लिये 7.95 करोड रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है।
- घने जंगलों के बीच बसा यह डजिटल प्लेनेटेरियम एक प्रमुख पर्यटन पहल होगी
- यह स्थानीय बच्चों के भवषिय को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिएगा और भावी पीढ़ियों को अंतरिक्ष वज्जान में कॅरियर बनाने के लिये प्रेरति करेगा।

राष्ट्रीय वज्जान संग्रहालय परषिद (National Council of Science Museums- NCSM)

- वर्ष 1978 में राष्ट्रीय वज्जान संग्रहालय परषिद (NCSM) की स्थापना राष्ट्रीय वज्जान संग्रहालयों के लिये एक केंद्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में की गई थी
- यह वज्जान और प्रौद्योगिकी वभिग ((DST) के साथ संयुक्त रूप से संस्कृतमंत्रालय के तहत एक स्वायत्त वज्जान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान है
- NCSM वज्जान केंद्रों और संग्रहालयों का वश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क है जो एक ही प्रशासनिक छत्र के तहत कार्य करता है।